J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING:24.08.2022

THE IMPRESSIVE TIMES

JC BOSE UNIVERSITY FELICITATED ALUMNI ENTREPRENEURS DURING 'ENTREPRENEURSHIP PROMOTION CONCLAVE'

FARIDABAD: JC Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, today organized 'Entrepreneurship Promotion Conclave' under Swawlambi Bharat Abhiyan on the occasion of 'World Entrepreneur's Day' and felicitated its Alumni Entrepreneurs to mark the occasion. Well-known economic expert and Akhil Bhartiya Seh-Sangathak of Swadeshi Jagran Manch, Shri Satish Kumar was keynote speaker on this occasion. The program was presided over by Vice-Chancellor Prof. S.K. Tomar. The program was convened by Shri Satender Singh Saurot, Sampark Pramukh of North Zone in Swadeshi Jagran Manch. In his key-note addressing, Sh. Satish Kumar made the students aware of the importance of employment, self-employment and entrepreneurship during their student life and called upon the youth to take three resolutions which include contributing towards making the Country 'zero' BPL, providing cent percent employment to the youth and a ten trillion dollar inclusive and sustainable economy by 2030

NEWS CLIPPING:24.08.2022

PUNJAB KESARI

देश में बेरोजगारी का हल युवाओं के पासः सतीश

विश्व उद्यमी दिवस पर उद्यमी पूर्व छात्रों को किया सम्मानित

फरीदाबाद, (पंजाब केसरी)। जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद द्वारा विश्व उद्यमी दिवस के उपलक्ष्य में स्वावलंबी भारत अभियान के तहत आयोजित 'उद्यमिता प्रोत्साहन सम्मेलन' का आयोजन किया तथा इस उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय द्वारा अपने उद्यमी पूर्व छात्रों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में आर्थिक विशेषज्ञ एवं स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय सह-संगठक श्री सतीश कुमार मुख्य वक्ता थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. एस.के. तोमर ने की। कार्यक्रम का संचालन स्वदेशी जागरण मंच में उत्तर क्षेत्र संपर्क प्रमुख श्री सतेन्द्र सिंह सौरोत ने किया।

अपने मुख्य भाषण में श्री सतीश कुमार ने छात्रों को रोजगार, स्वरोजगार और उद्यमिता के महत्व से अवगत कराया और युवाओं से तीन संकल्प लेने का आह्वान किया जिसमें देश को 'शून्य' बीपीएल बनाने, शत-प्रतिशत रोजगार प्रदान करने तथा वर्ष 2030 तक भारत को दस ट्रिलियन डॉलर की समावेशी और सतत अर्थव्यवस्था बनाने में योगदान देना शामिल हैं। उन्होंने कहा कि देश में 18-30 वर्ष के आयु वर्ग के युवाओं की संख्या लगभग 37 करोड़ है, जो चीन और अमेरिका की तुलना में इस आयु वर्ग में अधिक है और ये युवा भारत को दस ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की क्षमता है। देश के पास युवा शक्ति के रूप में एक अमूल्य विरासत है, जो सोने से भी अधिक मूल्यवान है। उन्होंने कहा कि देश में बेरोजगारी का हल केवल युवाओं के पास है। उन्होंने युवाओं को नौकरी तलाशने वाले नहीं बल्कि उद्यमिता को अपनाकर रोजगार देने वाले बनने के लिए प्रेरित किया। भारत द्वारा आईटी और सॉफ्टवेयर सेवाओं के निर्यात राजस्व की तुलना दुनिया के शीर्ष तेल निर्यातक सऊदी अरब के साथ करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय कंपनियों द्वारा आईटी और सॉफ्टवेयर सेवाओं का निर्यात पिछले वर्ष में 180 बिलियन अमेरिकी डॉलर है जोकि सऊदी अरब द्वारा तेल की बिक्री से प्राप्त हो रहे 145 बिलियन अमेरिकी डॉलर के राजस्व से अधिक है। उन्होंने कहा कि भारत उद्यमिता, स्वदेशी और सहकारी आंदोलन की ओर बढ़ रहा है और युवाओं को ही इस आंदोलन को आगे बढ़ाना है।

स्टार्ट-अप के आंकड़े साझा करते हुए श्री सतीश कुमार ने कहा कि भारत में अब तक 75 हजार स्टार्ट-अप को मान्यता दी गई है और हम दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते स्टार्ट-अप इकोसिस्टम बन रहे हैं जोकि नवाचार और उद्यमशीलता की भावना से प्रेरित है।

पंजाब केसरी
Wed, 24 August 2022
mpaper.punjabkesari.com/c/69843617

NEWS CLIPPING:24.08.2022

HADOTI ADHIKAR

देश में बेरोजगारी का हल युवाओं के पास : सतीश कुमार

– विश्व उद्यमी दिवस पर उद्यमी पूर्व छात्रों को किया सम्मानित

हरित प्रौद्योगिकी के उभरते क्षेत्रों पर काम करें विद्यार्थी: कुलपति प्रो. तोमर

अधिकार संवाददाता

फरीदाबाद, 23 अगस्त। जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए द्वारा विश्व उद्यमी दिवस के उपलक्ष्य में स्वावलंबी भारत अभियान के तहत आयोजित 'उद्यमिता प्रोत्साहन सम्मेलन' का आयोजन किया तथा इस उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय द्वारा अपने उद्यमी पूर्व छात्रों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में आर्थिक विशेषज्ञ एवं स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय सह-संगठक सतीश कुमार मुख्य वक्ता थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. एस.के. तोमर ने की। कार्यक्रम का संचालन स्वदेशी जागरण मंच में उत्तर क्षेत्र संपर्क प्रमुख सतेन्द्र सिंह सौरोत ने किया।

अपने मुख्य भाषण में सतीश कुमार ने छात्रों को रोजगार, स्वरोजगार और उद्यमिता के महत्व से अवगत कराया और युवाओं से तीन संकल्प लेने का आह्वान किया जिसमें देश को 'शून्य' बीपीएल बनाने, शत-प्रतिशत रोजगार प्रदान करने तथा वर्ष 2030 तक भारत को दस ट्रिलियन डॉलर की समावेशी और सतत अर्थव्यवस्था बनाने में योगदान देना शामिल हैं। उन्होंने कहा कि देश में 18-30 वर्ष के आयु वर्ग के युवाओं की संख्या लगभग 37 करोड़ है, जो चीन और अमेरिका की तुलना में इस आयु वर्ग में अधिक है और ये युवा भारत को दस ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की क्षमता है। देश के पास युवा शक्ति के रूप में एक अमूल्य विरासत है, जो सोने से भी अधिक मूल्यवान है। उन्होंने कहा कि देश में बेरोजगारी का हल केवल युवाओं के पास है। उन्होंने युवाओं को नौकरी तलाशने वाले नहीं बल्कि उद्यमिता को अपनाकर रोजगार देने वाले बनने के लिए प्रेरित किया।

भारत द्वारा आईटी और सॉफ्टवेयर सेवाओं के निर्यात राजस्व की तुलना दुनिया के शीर्ष तेल निर्यातक सऊदी अरब के साथ करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय कंपनियों द्वारा आईटी और सॉफ्टवेयर सेवाओं का निर्यात पिछले वर्ष में 180 बिलियन अमेरिकी डॉलर है जोकि सऊदी अरब द्वारा तेल की बिक्री से प्राप्त हो रहे 145 बिलियन अमेरिकी डॉलर के राजस्व से अधिक है। उन्होंने कहा कि भारत उद्यमिता, स्वदेशी और सहकारी आंदोलन की ओर बढ़ रहा है और युवाओं को ही इस आंदोलन को आगे बढ़ाना है।

NEWS CLIPPING:24.08.2022

AAJ SAMAJ

जेसी बोस विश्वविद्यालय में 'उद्यमिता प्रोत्साहन सम्मेलन' आयोजित

बेरोजगारी का हल युवाओं के पास: सतीश

- विश्व उद्यमी दिवस पर उद्यमी पूर्व छात्रों को किया सम्मानित
- हरित प्रौद्योगिकी के उभरते क्षेत्रों पर काम करें विद्यार्थी: कुलपति प्रो. तोमर

आज समाज नेटवर्क

दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कुलपति प्रो. एसके तोमर, मुख्य वक्ता सतीश कुमार तथा अन्य।

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद द्वारा विश्व उद्यमी दिवस के उपलक्ष्य में स्वावलंबी भारत अभियान के तहत आयोजित 'उद्यमिता प्रोत्साहन सम्मेलन' का आयोजन किया तथा इस उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय द्वारा अपने उद्यमी पूर्व छात्रों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में आर्थिक विशेषज्ञ एवं स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय सह-संगठक सतीश कुमार मुख्य वक्ता थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. एसके तोमर ने की। कार्यक्रम का संचालन स्वदेशी जागरण मंच में उत्तर क्षेत्र संपर्क प्रमुख सतेन्द्र सिंह सौरोत ने किया।

अपने मुख्य भाषण में सतीश कुमार ने छात्रों को रोजगार, स्वरोजगार और उद्यमिता के महत्व से अवगत कराया और युवाओं से तीन संकल्प लेने का आह्वान किया जिसमें देश को 'शून्य' बीपीएल बनाने, शत-प्रतिशत रोजगार प्रदान करने तथा वर्ष 2030 तक भारत को दस ट्रिलियन डॉलर की समावेशी और सतत अर्थव्यवस्था बनाने में योगदान देना शामिल हैं। उन्होंने कहा कि देश में 18-30 वर्ष के आयु वर्ग के युवाओं की संख्या लगभग 37 करोड़ है, जो चीन और अमेरिका की तुलना में इस आयु वर्ग में अधिक है और ये युवा भारत को दस ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की क्षमता है। देश के पास युवा शक्ति के रूप में एक अमूल्य विरासत है, जो सोने से भी अधिक मूल्यवान है।

उन्होंने कहा कि देश में बेरोजगारी का हल केवल युवाओं के पास है। उन्होंने युवाओं को नौकरी तलाशने वाले नहीं बल्कि उद्यमिता को अपनाकर रोजगार देने वाले बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. एस.के. तोमर ने विश्व उद्यमी दिवस पर छात्रों और उद्यमियों को बधाई दी और राष्ट्रव्यापी स्वावलम्बी भारत अभियान के माध्यम से स्वदेश जागरण मंच द्वारा की जा रही पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि युवाओं को केवल अपने रोजगार तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें दूसरों के लिए रोजगार पैदा करने की दिशा में काम करना चाहिए और देश के आर्थिक विकास में योगदान देना चाहिए। प्रो. तोमर ने छात्रों को उद्यमिता के लिए प्रेरित किया और उनसे हरित प्रौद्योगिकी के उभरते क्षेत्रों पर काम करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान उद्यमी पूर्व छात्रों ने विद्यार्थियों के साथ अपने अनुभव साझा किए और उन्हें अपने करियर के विकल्प के रूप में उद्यमिता को अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान 16 उद्यमी पूर्व छात्रों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डीन प्लेसमेंट, एलुमनाई एंड कॉरपोरेट अफेयर्स प्रो. विक्रम सिंह, डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. लखविंदर सिंह, डायरेक्टर एलुमनी अफेयर्स डॉ. संजीव गोयल और विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

इससे पहले, सतेंद्र सौरोत ने कार्यक्रम का संक्षिप्त परिचय देते हुए बताया कि स्वदेशी जागरण मंच की स्थापना 1991 में दत्तोपंत ठेंगड़ी ने नागपुर में विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर की थी। स्वदेशी जागरण मंच विगत तीन दशकों में आम जनता को स्वदेशी वस्तुओं के इस्तेमाल के प्रति जागरूक करने के अभियान में बेहद सफल रहा है। यह कार्यक्रम 15 जुलाई, विश्व कौशल दिवस पर शुरू किया गया था और आज विश्व उद्यमी दिवस के अवसर पर संपन्न हुआ है। कार्यक्रम के अंत में कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

NEWS CLIPPING:24.08.2022

HINDUSTAN

विश्वविद्यालय में पूर्व छात्र सम्मानित

सम्मलेन

स्वदेशी जागरण मंच के कार्यों को सराहा

कुलपति प्रो. एसके तोमर ने विश्व उद्यमी दिवस पर छात्रों और उद्यमियों को बधाई दी और राष्ट्रव्यापी स्वावलम्बी भारत अभियान के माध्यम से स्वदेश जागरण मंच द्वारा की जा रही पहल की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान 16 उद्यमी पूर्व छात्रों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डीन प्लेसमेंट, एलुमनाई एंड कॉरपोरेट अफेयर्स प्रो. विक्रम सिंह, डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. लखविंदर सिंह, डायरेक्टर एलुमनी अफेयर्स डॉ. संजीव गोयल आदि मौजूद रहे।

फरीदाबाद, संवाददाता। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद द्वारा विश्व उद्यमी दिवस के उपलक्ष्य में स्वावलंबी भारत अभियान के तहत आयोजित उद्यमिता प्रोत्साहन सम्मेलन का आयोजन किया। इस उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय द्वारा अपने उद्यमी पूर्व छात्रों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में आर्थिक विशेषज्ञ एवं स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय सह-संगठक सतीश कुमार मुख्य वक्ता थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. एस.के. तोमर ने की। कार्यक्रम का संचालन स्वदेशी जागरण मंच में उत्तर क्षेत्र संपर्क प्रमुख सतेन्द्र सिंह सौरोत ने किया। मुख्य भाषण में सतीश कुमार ने छात्रों को रोजगार, स्वरोजगार और उद्यमिता के महत्व से अवगत कराया और युवाओं से तीन संकल्प लेने का आह्वान किया।

इसमें देश को शून्य बीपीएल बनाने, शत-प्रतिशत रोजगार प्रदान करने तथा वर्ष 2030 तक भारत को दस ट्रिलियन डॉलर की समावेशी और सतत अर्थव्यवस्था बनाने में योगदान देना शामिल हैं। उन्होंने कहा कि देश में 18-30 वर्ष के आयु वर्ग के युवाओं की संख्या लगभग 37 करोड़ है, जो चीन और अमेरिका की तुलना में इस आयु वर्ग में अधिक है और ये युवा भारत को दस ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की क्षमता है। देश के पास युवा शक्ति विरासत है, जो सोने से भी अधिक मूल्यवान है।

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING:24.08.2022

DAINIK BHASKAR

'उद्यमिता प्रोत्साहन सम्मेलन' में उद्यमी बने पूर्व छात्रों को सम्मानित किया

फरीदाबाद | विश्व उद्यमी दिवस के मौके पर जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने 'उद्यमिता प्रोत्साहन सम्मेलन' में उद्यमी बने पूर्व छात्रों को सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. एसके तोमर ने की। मुख्य वक्ता आर्थिक विशेषज्ञ सतीश कुमार ने कहा कि बेरोजगारी का हल युवाओं के पास है। उन्हें 'शून्य' बीपीएल बनाने, शत-प्रतिशत रोजगार प्रदान करने व 2030 तक भारत को दस ट्रिलियन डॉलर की समावेशी और सतत अर्थव्यवस्था बनाने में योगदान देने का संकल्प लेने के लिए आह्वान किया गया। देश में 18-30 आयु वर्ग के 37 करोड़ युवा चीन और अमेरिका की तुलना में अधिक है।

NEWS CLIPPING:24.08.2022

NAVBHARAT TIMES

उद्यमियों को किया सम्मानित

एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद : जेसी बोस यूनिवर्सिटी ने स्वावलंबी भारत अभियान के तहत उद्यमिता प्रोत्साहन सम्मेलन आयोजन किया। विश्व उद्यमी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान यूनिवर्सिटी ने उद्यमी बन चुके अपने पूर्व छात्रों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय सह-संगठक सतीश कुमार मुख्य वक्ता थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर एसके तोमर ने की और संचालन स्वदेशी जागरण मंच में उत्तर क्षेत्र संपर्क प्रमुख सतेंद्र सिंह सौरोत ने किया। उद्यमी बन चुके 16 पूर्व छात्रों को सम्मानित किया गया। मौके पर कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग, प्रफेसर विक्रम सिंह, लखविंदर सिंह, डॉ.संजीव गोयल आदि मौजूद रहे।